The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची
25**/02/2020**

इकफ़ाई विश्वविद्यालय में में ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन पर सम्मेलन

ग्रामीण भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आज इकफ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के दलादली परिसर में किया गया। इस सम्मेलन में श्री प्रदीप कुमार हजारी, विशेष सचिव, कृषि विभाग, झारखंड सरकार, श्री बिष्णु चंद्र परिड़ा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी और नाबार्ड के प्रबंधक श्री अभय सोरेन सम्मानित अतिथि थे। सम्मेलन में 3 तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनकी अध्यक्षता सेल, एमटीआई के पूर्व महाप्रबंधक श्री हरि हरन एवं नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक श्री कौशल कुमार सिन्हा ने की। सम्मेलन के विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने अपने विचार पोस्टर से प्रस्तुत किए।

सम्मेलन में प्रतिभागियो का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, “हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, पीली क्रांति और स्वर्ण क्रांति ने खाद्यान्न, दूध, तेल बीज, फल और सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, बुनियादी मुद्दे जैसे कृषि-प्रबंधन, भंडारण बुनियादी ढांचे, आपूर्ति-श्रृंखला प्रबंधन, बाजार-उत्पादक लिंकेज आदि के कारण किसान की आय को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए यह क्रांति मदद नहीं की है। प्रो राव ने कहा, की " आज की समय की जरूरत नीली क्रांति की है, जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी, चुनौतियों का सामना करने और किसानों की आय बढ़ाने में सक्षम हो सकती है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्री प्रदीप कुमार हजारी ने कहा, “डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। हालांकि, इसे काम एवं प्रयोग करने के लिए, डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार करने की आवश्यकता है, इसके अलावा, डिजिटलकरण प्रक्रियाओं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के कैशलेस कार्यान्वयन के मामले का अध्ययन भी प्रस्तुत किया, जिसमें 17 लाख से अधिक किसानों को “प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण” के माध्यम से लाभान्वित किया गया है।
श्री बिष्णु चंद्र परिधि ने झारखंड राज्य द्वारा ग्रामीण विकास के लिए सरकारी योजनाओं के वितरण में प्रगति का वर्णन किया, जिसमें मार्केटिंग, भू-टैगिंग गांवों का प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया।

सर्वश्रेष्ठ पत्रों के लिए मान्यता के पुरस्कारों में सुश्री ज्योति, पीएचडी स्कालर तथा एमबीए-द्वितीय की छात्रा सुश्री अफशा खान को प्रदान किया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार एमबीए-द्वितीय के स्टूडेंट्स सोवना सामंत एवं देवयूटी दास, सुश्री आयुषी, तथा डीआईटी के छात्र श्री अमन को दिया गया।

धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने किया

======